अग्निमय बाइबल
का अनुभव करना
एक तत्काल अध्ययन पुस्तिका

Originally published in English as "Experiencing Your Fire Bible: A Quick Study Guide"

Copyright 2009 Life Publishers International

Published by Life Publishers International, Springfield, Missouri, U.S.A. All rights reserved.

समस्त विशिष्ट शीर्षक व हवाले, अन्तर्राष्ट्रीय बाइबल सोसाइटी द्वारा न्यू इंटरनेशनल वर्ज़न, प्रतिलिपियधिकार 1992, से उद्धृत व अनुवाद किये गये हैं।

अनुमति द्वारा

मध्य-स्तम्भ, प्रतिनिर्देश प्रणाली, प्रतिलिपियधिकार 1984, एनआईवी से, शब्दानुक्रमणिका, प्रतिलिपियधिकार 1982, 1984 द्वारा; विशिष्ट काले व सफेद चार्ट व मानचित्र, प्रतिलिपियधिकार 1988, जोन्डरवन सहकारिता की अध्ययन सामग्री से अपनाया व अनुवाद किया गया है। जोन्डरवन प्रकाशन भवन की अनुमति द्वारा इस्तेमाल किया गया।

समस्त लेख, बाइबल पठन योजना, विशिष्ट काले व श्वेत चार्ट व मानचित्र, पुस्तक परिचय, रूपरेखा, रंगीन मानचित्र व रंगीन चित्र अनुक्रमणिका, प्रसंग खोजी चिन्ह, तथा प्रसंगखोजी अनुक्रमणिका के प्रतिलिपियधिकार लाइफ पब्लीशर्स इंटरनेशनल के पास हैं। समस्त अधिकार आरक्षित हैं।

विषय सूची

भूमिका 4

परिचय 7

अनुभागीय शीर्षक 16

प्रति निर्देश प्रणाली 19

कुँजी आयतों की व्याख्या 24

मुख्य विषयों पर लेख 27

12 विशेष विषयों के लिए प्रसंग खोजी 29

प्रसंग खोजी–अनुक्रमणिका 32

मानचित्र व चार्ट 34

शब्दानुक्रमणिका तथा अन्य औज़ार 41

उत्तरमाला 45

स्वागत

क्या आप पवित्र आत्मा और यीशु मसीह के साथ एक गहरा सम्बन्ध स्थापित करना चाहते हैं ?

अग्निमय बाइबल का निर्माण, मसीह केन्द्रित तथा आत्मा से परिपूर्ण जीवन जीने में आपकी सहायता हेतू किया गया है। जब आप इन विस्तृत व्याख्या करने वाली अध्ययन सामग्री को पढ़ते हैं तो आप परमेश्वर में बढ़ेंगे तथा अपने जीवन व उसकी कलीसिया के प्रति उसकी योजनाओं को समझ पाएंगे।

क्या आप बाइबल की सच्चाईयों को अधिक उत्तम ढंग से समझना चाहते हैं ?

जितने भी मसीही जन परमेश्वर के वचनों की गहन जानकारी, समझ को प्राप्त करना चाहते हैं उन सबके लिए अग्निमय बाइबल एक महत्वपूर्ण औज़ार है। यह अध्ययन व बाइबल आपकी आत्मिक समझ में एक मज़बूत बुनियाद डालने में सहायता करेगी। आप पवित्र आत्मा की सामर्थ्य के द्वारा, आत्मिक विषय में जीना तथा आम जिन्दगी की चुनौतियों का सामना करना सीखेंगे।

अब आपके पास अग्निमय बाइबल है, आप कैसे इसका अधिकांश लाभ उठा पाएंगे ?

जो अद्भुत अध्ययनकारी औज़ार आपके लिए मुहैय्या कराये गये हैं आप उसके साथ क्या कर सकते हैं ? यह औज़ार आपकी विभिन्न प्रकार की बाइबल शिक्षाओं, संदेशों, आपके या दूसरों को शिक्षा देने के लिए सामग्री प्राप्त करने में सहायता करेगा। आप लोगों तथा स्थानों से सम्बन्धित ऐसे तथ्यों को पाएंगे जो आपने पहले कभी नहीं देखे थे। आप बाइबल को कुछ उस तरह समझ पाएंगे जो शायद आपने अपने सपनों में भी न सोचा हो। आप बाइबल के प्रत्येक खास विषय पर एक विशेष ज़ोर को पाएंगे, जैसे- ईश्वरीय चंगाई, चमत्कार, आत्मा के वरदान, आत्मा की परिपूर्णता में जीवन व्यतीत करना।

आपकी अग्निमय बाइबल इस्तेमाल करने के कुछ तरीके निम्नलिखित हैं:

- क्या आप बाइबल की किसी खास पुस्तक पर **संदेश तैयार** करना चाहते हैं ? परिचय, अनुभागीय शीर्षक, तथा आयतें जो प्रत्येक पुस्तक में दी हैं आपकी सम्पूर्ण पुस्तक तथा विशेष पद को समझने में सहायता करेगी, जैसे जैसे आप पुस्तक सम्बन्धित विशेष जानकारियों तथा व्याख्याओं को इकट्ठा करते हैं।

- यदि आप **पारिवारिक मनन** के लिए प्रेरणा से भरा संदेश तैयार करना चाहते हैं तो आप विषय का चुनाव करने के पश्चात विषय सूची तथा प्रसंग खोजी के साथ दिये गये अध्ययन लेख तथा उस विषय पर दिये लेख द्वारा विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

- क्या आप अपने **छोटे समूह** के अध्ययन हेतू या अपनी **कक्षा** के लिए बाइबल के किसी स्थान या घटना को चार्ट या नक्शे द्वारा प्रस्तुत करना चाहते हैं ? प्रत्येक पुस्तक के परिचय व प्रारम्भ में दिये गये विभिन्न प्रकार के चार्ट व नक्शे, आपकी सहायता करने हेतु तत्वों से भरे हैं।

- आप अपने **जवानों** के बीच एक खास विषय की चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं ? प्रसंग खोजी व शब्दानुक्रमणिका सूचनाओं तथा संगत अनुच्छेदों को खोजने में आपकी सहायता करेगा।

- हो सकता है आप अपने **सण्डे-स्कूल** के बच्चों तथा **बच्चों के क्लब के लिए बाइबल** के किसी एक विशेष चरित्र को लेकर अध्ययन तैयार करना चाहते हैं। अध्ययन नोट्स विषय सूची तथा शब्दानुक्रमणिका बाइबल के उस चरित्र के बारे में जानकारी प्राप्त करने में आपकी सहायता करेंगे।

अग्निमय बाइबल के पेजों के बीच आप परमेश्वर के प्रेम को प्रगट में देखेंगे और जानेंगे कि परमेश्वर आपमें किस प्रकार के जीवन की अपेक्षा करता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम बाइबल को मात्र पढ़ें ही नहीं बल्कि उसका अध्ययन भी करें जिससे परमेश्वर का वचन आपके विचारों व प्रतिक्रियाओं के लिए एक मार्गदर्शक बन जाता है।

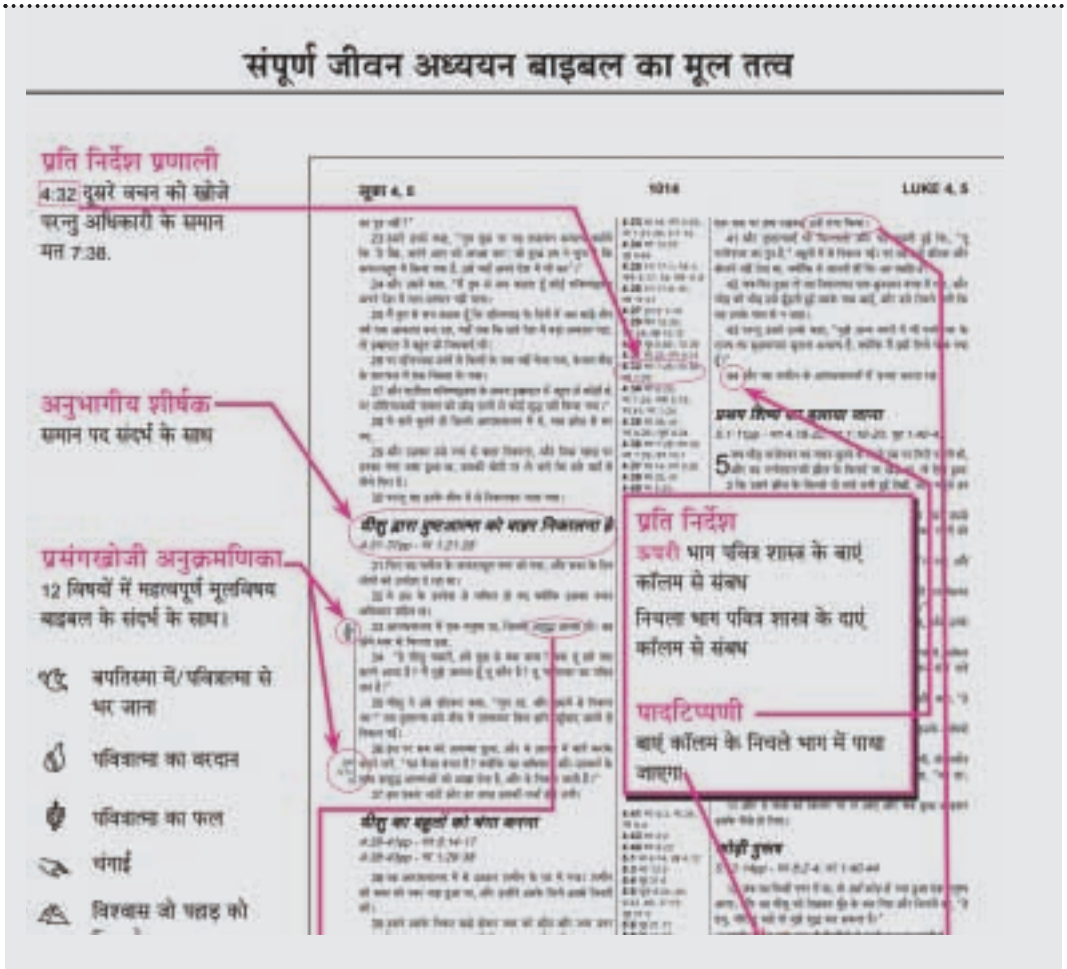

अग्रिमय बाइबल में बारह ऐसे औज़ार शामिल हैं जो विशेषकर इसलिए तैयार किये गये हैं ताकि आपको अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त हो तथा आपको परमेश्वर का वचन प्रभावशाली ढंग से पढ़ने में सहायता मिल सके।

- बाइबल की प्रत्येक पुस्तक का परिचय
- अनुभागीय शीर्षक
- प्रति निर्देश प्रणाली
- मुख्य शीर्षकों पर लेख
- कुँजी आयतों की व्याख्या
- विषय सूची
- 12 विशेष विषयों के लिए प्रसंग खोजी
- प्रसंग खोजी सूची
- चार्ट व मानचित्र
- भार और तौल की तालिका
- शब्दानुक्रमणिका

इस पुस्तक के अन्दर, हम इन सारे औज़ारों पर विस्तृत विवरण इस तरह से करेंगे कि आपको इसका अधिक से अधिक लाभ पहुँच सके। हम इन औज़ारों पर संक्षेप में विवरण करेंगे तथा बतायेंगे कि किस तरह प्रत्येक औज़ार का इस्तेमाल किया जाये।

1 परिचय

आपको यह समझने के लिए कि एक बाइबल का लेखक बाइबल की किसी भी पुस्तक के अनुच्छेदों में क्या कह रहा है, आपको सर्वप्रथम पुस्तक का परिचय पढ़ना चाहिए। प्रत्येक प्रस्तावना या परिचय में निम्नलिखित बातें शामिल हैं:

1. रूपरेखा
2. ऐतिहासिक जानकारी की पृष्ठभूमि
3. पुस्तक का उद्देश्य
4. विषय सूची का सर्वेक्षण
5. विशेष गुण
6. नये नियम की परिपूर्णता

परिचय में यह छः बातें बाइबल की किसी भी पुस्तक का अन्तःज्ञान व जानकारियाँ प्रदान करती है। आप निम्नलिखित प्रश्नों को पूछने के द्वारा छः बातों का अभ्यास कर सकते हैं। यह प्रश्न बाइबल की प्रथम पुस्तक उत्पत्ति से प्राप्त जानकारी पर आधारित हैं।

ढूँढ़ें >> अपनी बाइबल के प्रथम पृष्ठ को खोलें, जो उत्पत्ति का परिचय है।

रूपरेखा

ध्यान दें कि किस तरह रूपरेखा हमें दो प्रकार से सहायक जानकारियाँ प्रदान करती है। प्रथम, यह प्रत्येक दीर्घ खण्ड को एक शीर्षक व उपशीर्षकों द्वारा व्यवस्थित करती है। दूसरा, रूपरेखा सारे शीर्षकों को इस ढंग से व्यवस्थित करती है कि वह एक पुस्तक का रूप धारण कर लेती है। अत: रूपरेखा पूरी पुस्तक का संक्षेप सारांश प्रस्तुत करती है और साथ ही साथ संकेत भी देती है कि किसी बात को पुस्तक में कहाँ खोजें। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उत्पत्ति की रूपरेखा का प्रयोग करें:

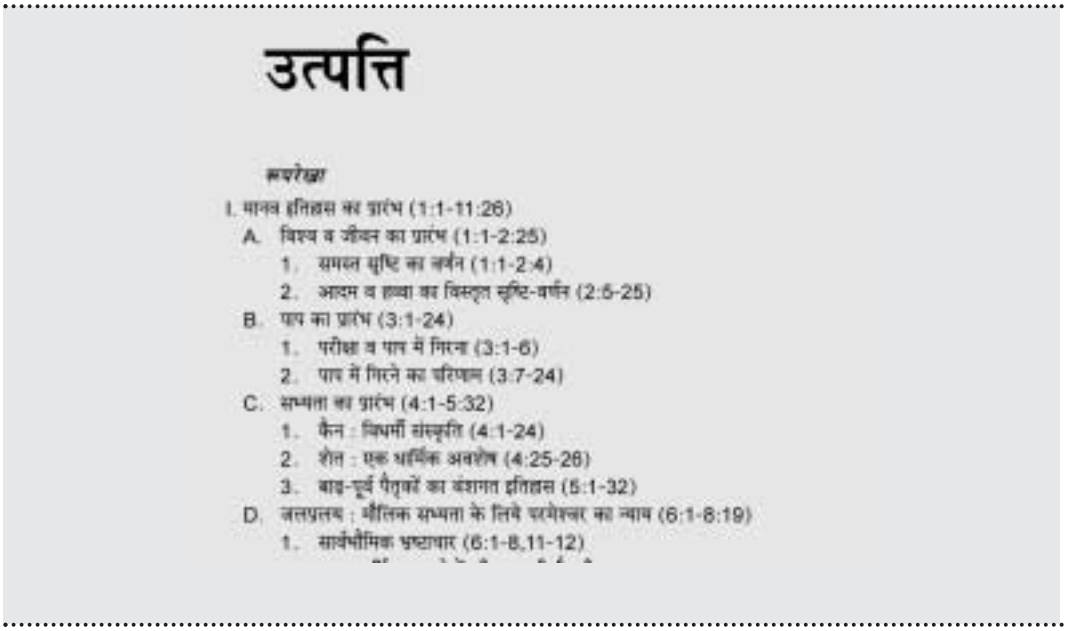

उत्पत्ति

रूपरेखा

I. मानव इतिहास का प्रारंभ (1:1-11:26)
  A. विश्व व जीवन का प्रारंभ (1:1-2:25)
    1. समस्त सृष्टि का वर्णन (1:1-2:4)
    2. आदम व हव्वा का विस्तृत सृष्टि-वर्णन (2:5-25)
  B. पाप का प्रारंभ (3:1-24)
    1. परीक्षा व पाप में गिरना (3:1-6)
    2. पाप में गिरने का परिणाम (3:7-24)
  C. सभ्यता का प्रारंभ (4:1-5:32)
    1. कैन : विधर्मी संस्कृति (4:1-24)
    2. शेत : एक धार्मिक अवशेष (4:25-26)
    3. बाइ-चूई पैतृकों का वंशगत इतिहास (5:1-32)
  D. जलप्रलय : पैतिक सभ्यता के लिये परमेश्वर का न्याय (6:1-8:19)
    1. सार्वभौमिक भ्रष्टाचार (6:1-8,11-12)

प्र 1 रूपरेखा में प्रथम मुख्य शीर्षक क्या दिया गया है ?

_____

प्र 2 इस शीर्षक के भीतर उत्पत्ति के किन अध्यायों को शामिल किया गया है ?

_____

प्र 3 रूपरेखा में अन्तिम उपशीर्षक क्या दिया गया है ?

_____

प्र 4 इस अन्तिम उपशीर्षक में अध्याय 50 की कौन सी आयत को शामिल किया गया है ?

_____

ऐतिहासिक जानकारी

बाइबल में लिखित किसी भी पुस्तक की विषय वस्तु के सही अर्थ को बताने के लिए हमें पुस्तक तथा लेखक की ऐतिहासिक जानकारी होना अति आवश्यक है। यह जानकारियाँ प्रत्येक पुस्तक के परिचय में शामिल की गयी हैं। परिचय में लेखक की पृष्ठभूमि, किस परिस्थिति में वह पुस्तक लिखी गयी तथा दिनाँक बतायी गयी है।

ढूँढ़ें >> उत्पत्ति की ऐतिहासिक जानकारी को परिचय से प्राप्त कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

लेखन तिथि : लगभग 1445-1405 ई.पू.

पृष्ठभूमि

[illegible]

प्र 5 उत्पत्ति का लेखक कौन है ?

____

प्र 6 इस पुस्तक का विषय क्या है ?

____

प्र 7 इसके लिखने की तिथि क्या है ?

____

प्र 8 पृष्ठभूमि की जानकारी को पढ़ें। पुस्तक के नाम 'उत्पत्ति' का क्या अर्थ है ?

____

पुराने नियम की पुस्तकें

पुराने नियम में 39 पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें परमेश्वर और यहूदियों के बीच 1500 वर्षों के दौरान हुई (1900 से 400 ईसा.पूर्व) सहमती की कहानी को बयान करती हैं। जिन्हें 5 विभिन्न भागों के में बाँटा जा सकता है।

1. **व्यवस्था की पुस्तकें (पेन्टाटुक):** उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यवस्था, गिनती, व्यवस्था विवरण

2. **इतिहास की पुस्तकें:** यहोशू, न्यायियों, रुत, 1 व 2 शमूएल, 1 व 2 राजा, 1 व 2 इतिहास एज्रा, नहेम्याह, एस्तेर

3. **कविताएं:** अय्यूब, भजन संहिता, नीतिवचन, सभोपदेशक, श्रेष्ठगीत

4. **बड़े भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें:** यशायाह, यिर्मयाह, विलाप गीत, यहेजकेल दानिय्येल

5. **छोटे भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें:** होशे, योएल, आमोस, ओवद्याह योना मीका नहूम, हबक्कूल, सपन्याह, हाग्गै, जर्कयाह, मलाकी

प्रत्येक पुस्तक का नाम और बाइबल में वह कहाँ है, उसे विषय सूची पर अंकित किया गया है। प्रत्येक पुस्तक के लिए संक्षिप्त विवरण, जिसे आपकी अध्ययन बाइबल में अध्ययन सामग्री के तौर पर इस्तेमाल किया गया है, संक्षिप्त विवरण की सूची में दिया गया है (विषय सूची के 3 पेज पश्चात अंकित है)

उद्देश्य

पुस्तक के बुनियादी उद्देश्य से सम्बन्धित एक वाक्य, विशेष प्रकार की समझ को प्रदान करता है कि आखिर वह पुस्तक क्यों लिखी गयी थी। यह आपको ये भी समझने में सहायता करेगी कि यह पुस्तक बाइबल की अन्य पुस्तकों से कैसे मेल खाती हैं। उत्पत्ति के उद्देश्य को लेकर लिखित खण्ड को पढ़ें।

उद्देश्य

धर्मशास्त्र के प्रथम पाँच पुस्तकों के लिये तथा बाद में बाइबल के प्रकाशन के लिये, उत्पत्ति की पुस्तक एक आवश्यक नींव प्रदान करती है। इस पुस्तक में विश्व, मानव, विवाह, पाप, शहर, भाषाएं, राष्ट्र, इस्राएल तथा छुटकारा देने वाले इतिहास के प्रारंभ के विश्वसनीय लेखा को खोजी कर रखा गया है। यह परमेश्वर के उद्देश्य के अनुसार लिखा गया है जिसमें पुराने व नये नियम, दोनों वाचकों के द्वारा अपने आप को, सृष्टि, मानव जाति, पाप में गिरने, मृत्यु, न्याय, नई आशा तथा छुटकारे की इतिहास को अब्राहम के संतान के द्वारा समझाया गया है।

प्र 9 उत्पत्ति की पुस्तक किन नौ बातों का भरोसेमन्द अभिलेख प्रदान करती है ?

सर्वेक्षण

सर्वेक्षण प्रत्येक पुस्तक के ज़्यादातर खण्डों का सारांश प्रस्तुत करता है। इस प्रकार की जानकारियाँ एक बड़ी पुस्तक को चुने हुए विषय या शीर्षकों के आधार पर अध्यायों व छोटे-छोटे खण्डों में बाँट देते हैं। आप इस सर्वेक्षण को विशेषकर तब कारगर पायेंगे जब आप व्यक्तिगत रूप में सम्पूर्ण पुस्तक का अध्ययन कर रहे हो, या शिक्षा हेतू संदेशों की श्रृंखला को या अध्यायों को तैयार कर रहे हों।

ढूँढ़ें >> उत्पत्ति के सर्वेक्षण को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

सर्वेक्षण

उत्पत्ति स्वाभाविक रीति से दो भागों में विभाजित है। (A) 1-11 अध्यायों में मानव की उत्पत्ति, आदम से अब्राहम तक के विषय वर्णन तथा पाँच मुख्य घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है। (1) सृष्टि : परमेश्वर ने समस्त वस्तुओं की सृष्टि की, आदम व हव्वा को भी, जिन्हें उसने अदन की वाटिका में रखा (अध्याय 1-2)। (2) पाप में गिरना : आज्ञा न मानने के द्वारा आदम व हव्वा ने पाप व मृत्यु के श्राप को मानव इतिहास में प्रवेश दिलाया (अध्याय 3)। (3) कैन व हाबिल : इस घटना ने इतिहास के दो प्रमुख धाराओं को बताया : मानवबादी सभ्यता तथा एक छुटकारा प्राप्त अवशेष (अध्याय 4-5)। (4) जलप्रलय : पुराने काल का विश्व इतना बुरा हो गया था कि परमेश्वर को एक सार्वभौमिक बाढ़ के द्वारा लोगों को नाश करना पड़ा और धर्मी नूह तथा उसका परिवार बचाया गया (अध्याय 6-10)। (5) बेबीलोन का बुर्ज : जब बाढ़ के पश्चात भी मानव जाति मूर्ति पूजा के लिये जुटी तथा परमेश्वर के विरुद्ध बलवा किया तब परमेश्वर ने भाषा व संस्कृति में गड़बड़ी डालकर मानव जाति को सम्पूर्ण पृथ्वी पर बिखेर दिया (अध्याय 11)।

प्र 10 उत्पत्ति को कितने भागों में बाँटा गया है?

____

प्र 11 प्रथम भाग, जो मानव जाति की शुरुआत आदम से अब्राहम तक के विवरण को प्रस्तुत करता है, काल सम्बन्धित कितनी घटनाओं पर ज़ोर देता है?

____

प्र 12 उनमें से एक घटना का संक्षिप्त विवरण करें?

____

प्र 13 पुस्तक के दूसरे भाग में अंकित चार महान पुरुषों के नाम बताओ।

____

मुख्य विशेषताएं

बाइबल की प्रत्येक पुस्तक अनोखी है। मुख्य विशेषताओं का अनुच्छेद पुस्तक की कुछ विशेष बातों को प्रगट करता है। इनका सम्बन्ध लेखक, उस पुस्तक के प्रमुख चरित्र, पुस्तक की विषय वस्तु से, या पुस्तक के लिखे गये ऐतिहासिक काल या समय से हो सकता है।

ढूँढ़ें >> उत्पत्ति को लेकर मुख्य विशेषताओं के अनुच्छेद को खोजें।

विशेषताएं

[illegible]

प्र 14 उत्पत्ति कितनी विशेषताओं का उल्लेख करती है ?

____

प्र 15 इनमें से दो विशेषताओं को लिखें।

____

____

____

नये नियम में परिपूर्णता

परिचय में प्राप्त, नये नियम में परिपूर्णता का अनुच्छेद, इस बात का विवरण करता है कि किस तरह घटनाएं, शिक्षाएं, तथा पुराने नियम में बतायी गयी भविष्यवाणियाँ नये नियम में पूरी हुईं। अनेकों पहलुओं से देखा जाये तो, पुराने नियम की पुस्तकें नये नियम की पुस्तकों के लिए मंच तैयार करती हैं। पुराने नियम में ऐसे ऐसे ऐतिहासिक घटनाक्रम हैं जो सीधे तौर पर नये नियम से आकर जुड़ते हैं। बहुत बार नये नियम की शिक्षाओं व घटनाओं को सही मायनों में समझे बगैर पुराने नियम की घटनाओं को समझना काफी मुश्किल हो जाता है।

ढूँढ़ें >> निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देने में आपकी सहायता करने के लिए उत्पत्ति के परिचय में लिखित नये नियम में परीपूर्णता के अनुच्छेद का इस्तेमाल करें।

नये नियम में परिपूर्णता

उत्पत्ति, छुटकारे के भावी इतिहास को प्रकट करती है और एक छुड़ाने वाला आ रहा है जो स्त्री की संतान (3:15) होगा, वह शेत का वंशज होगा (4:25-26), वह शेम का वंशज होगा (9:26-27) और वह अब्राहम के वंश से होगा (12:3)। नये नियम 12:3 को सीधे ही प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार का वचन जिसे परमेश्वर ने दिया है, को समझाता है (गल 3:16,29)। बहुतेरे व्यक्ति, तथा घटनाएं, जो उत्पत्ति में है नये नियम में छुटकारे व धार्मिकता के लिये (जैसे रो 4; इब्र 11:1-22), परमेश्वर का न्याय (जैसे लूक 17:26-29,32; 2पत 3:6; यहू 7,11a) तथा मसीह का व्यक्तित्व (मत 1:1; यूह 8:58; इब्र 7) के लिये प्रयुक्त हुए हैं।

प्र 16 उत्पत्ति एक उद्धारकर्ता की तरफ संकेत करती है जो चार वशों से होकर आती हैं। वे क्या हैं ? ______________________________

____

प्र 17 'विश्वास व धार्मिकता के सम्बन्ध में' नये नियम में उत्पत्ति से अनेकों घटनाओं व लोगों का जिक्र किया गया है। इब्रानियों 11:1–22 में लिखित तीन या चार लोगों के नाम लिखें। ______________________________

____

____

____

नये नियम की पुस्तकें

नये नियम में कुल 27 पुस्तकें हैं। यह पुस्तकें हमें यीशु मसीह के जीवन व मृत्यु के बारे में बताती हैं जिसने पुराने नियम में प्रारम्भ हुए हमारे प्रायश्चित के कार्य को समाप्त किया। यह पुस्तकें मसीही कलीसियाओं के जन्म व बढ़ौत्तरी की भी जानकारी देती हैं। हम नये नियम की इन पुस्तकों को चार विभिन्न भागों में बाँट सकते हैं।

1. **ऐतिहासिक पुस्तकें:** मत्ती, मरकुस, लूका, यूहन्ना, प्रेरितों के काम

2. **पौलुस की पत्रियाँ:** रोमियों, 1 व 2 कुरिन्थियों, गलातियों, इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों, 1 व 2 थिस्सलुनीकियों, 1 व 2 तीमुथियुस, तीतुस फिलेमोन

3. **सब के लिए पत्रियाँ:** इब्रानियों, याकूब, 1 व 2 पतरस, 1, 2, 3 यूहन्ना, यहूदा

4. **खुलासा:** प्रकाशित वाक्य

प्रत्येक पुस्तक का नाम तथा बाइबल में वह कहाँ पर लिखी है, इसका विवरण विषय सूची में दर्शाया गया है। प्रत्येक पुस्तक के लिए संक्षिप्त विवरण जिसे आपकी अध्ययन बाइबल में अध्ययन सामग्री के तौर पर इस्तेमाल किया गया है संक्षिप्त विवरण की सूची में दिया गया है (विषय सूची के 3 पेज बाद अंकित है)।

2 अनुभागी शीर्षक

आपकी बाइबल में अनेकों अनुभागीय शीर्षक उपलब्ध हैं जो आपको विषय तथा प्रत्येक खण्ड का अर्थ समझने में सहायता करेंगे। यह शीर्षक छोटे वाक्यों के रूप में हैं जो बहुत सी आयतों के एक खण्ड के विषय को ज़ाहिर करते हैं। अधिकांश आप शीर्षकों को अध्याय के प्रारम्भ में पायेंगे और कभी कभी आप इन्हें अध्याय के बीच में भी देख सकते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि कहाँ नया खण्ड या शीर्षक प्रारम्भ होता है।

ढूँढ़ें >> ध्यान दें कि पेज 5 व 9 में कहाँ पहले दो शीर्षक दर्शाये गये हैं।

प्र 1 उत्पत्ति के लिए सर्वप्रथम अनुभागीय शीर्षक क्या है ?

_____

प्र 2 वह कहाँ लिखा है ?

_____

प्र 3 उत्पत्ति के लिए दूसरा अनुभागीय शीर्षक क्या है ?

_____

प्र 4 वह कहाँ लिखा है ?

_____

पहला शीर्षक उत्पत्ति 1:1 से 2:3 के बीच के विषय को प्रस्तुत करता है। दूसरा शीर्षक उत्पत्ति 2:4 से 25 के बीच के विषय को प्रस्तुत करता है जब आप इस प्रकार के शीर्षक को पढ़ते हैं, ध्यान दें, प्रत्येक शीर्षक के अन्दर कितने अनुच्छेद या आयतें लिखी हैं। जैसे-जैसे आप अनुच्छेदों व आयतों को एक शीर्षक के अन्तर्गत पढ़ते हैं तो, समझने का प्रयास करें कि यह आयतें किस प्रकार से विषय के शीर्षक के साथ जुड़ती हैं।

आयत व आयतें

बाइबल, अनेकों पुस्तकों के समान अनेकों अध्यायों में विभाजित है। निम्नलिखित दर्शाये गये नम्बर 1 पर ध्यान दें। यह अंक दर्शाता है कि यह उत्पत्ति की पुस्तक का 1 अध्याय है।

प्रत्येक अध्याय अनेकों आयतों में बँटा हुआ है तथा आयतों के सामने संख्या लिखी गयी है। एक आयत में ज़्यादातर एक वाक्य दिया गया है परन्तु सम्भवत: उसमें एक से अधिक वाक्य भी हो सकते हैं।

निम्नलिखित चित्र में 'पृथ्वी बेडौल और सुनसान पड़ी थी' से पहले उभरती हुई संख्या 2 पर ध्यान दें। यह छोटा उभरता हुआ अंक, उत्पत्ति की पुस्तक के प्रथम अध्याय की 2 आयत को दर्शाता है। और हम इसे इस तरह लिखेंगे: उत्पत्ति 1:2

आरम्भ

1

प्रारम्भ में जब बाइबल लिखी गयी, तब उसको अध्यायों व आयतों में नहीं बाँटा गया था। ये संख्याओं द्वारा विभाजन का कार्य उसके वर्षों बाद हुआ। यह हमारी बाइबल के किसी विशेष स्थान के बारे में खोजने में सहायता करता है। यह विभाजन बाइबल की प्रत्येक आयत के पते के जैसे कार्य करता है। इन 'पतों' को आयत या हवाला कहा जाता है।

3 प्रति निर्देश प्रणाली

अग्रिमय बाइबल हवालों की एक ऐसी प्रतिनिर्देश प्रणाली प्रस्तुत करती है जिसके द्वारा आप बाइबल के एक भाग को दूसरे समानार्थी भाग से आपस में जोड़ सकें। क्योंकि बाइबल के अन्दर 31,102 आयतें पायी जाती हैं इसलिए इस प्रकार की प्रणाली के द्वारा पूरी बाइबल में जिन वचनों, अनुच्छेदों, अध्यायों, या विषयों का आप अध्ययन करना चाहते हैं उन्हें ढूँढ़ना आसान हो जाता है। इस प्रणाली के तीन भाग हैं:

- संगत उल्लेख
- समानार्थ अनुच्छेद
- समान उल्लेख

संगत उल्लेख

एक 'संगत उल्लेख' किसी एक आयत का ऐसा उल्लेख है जो दूसरी आयत या अनेकों आयतों के समान अर्थ रखता है। यह व्याख्यान करने वाली व गहन शृंखला, जो संगत हवालों या वचनों को शामिल करने वाले उल्लेख, आपकी बाइबल में अलग कॉलम या स्तम्भ में पाये जाते हैं, साधारणत: ये कॉलम पेज के मध्यम में होते हैं। इस कॉलम में गहरे काले रंग से लिखित वचन संख्या दर्शाती है कि किस वचन के समान अतिरिक्त वचन अंकित किये गये हैं। (बहुत सी बाइबलों में वचन संख्या को और अधिक प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के लिए तिरछे अर्थात इटैलिक शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है) उत्पत्ति की पुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर अंकित मध्य कॉलम के दृष्टान्त पर ध्यान दें। पहली चीज़ 1:1 को गहरे अंकों में छापा गया है। जो उत्पत्ति **1:1** की ओर संकेत करता है।

ध्यान दें कि किस तरह से उत्पत्ति 1:1 के साथ पहले पाँच हवाले निम्न रूप से जुड़े हैं 1:1 भजन 102:25 नीति. 8:23, यशा. 40:21, 41:4, 26; यूहन्ना 1:1–2। यह पाँचों वचन जो अन्य पुस्तकों में लिखे हैं किसी न किसी तरह उत्पत्ति 1:1 से सम्बन्ध रखते हैं।

ढूँढ़ें >> उत्पत्ति के प्रथम पृष्ठ पर मध्य कॉलम को ढूँढ़ें। संगत वचनों का इस्तेमाल करते हुए अभ्यास करें।

आरम्भ

1 आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की।
2 पृथ्वी बेडौल और सुनसान पड़ी थी, और गहरे जल के ऊपर अन्धियारा था; तथा परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मण्डलाता था।
3 तब परमेश्वर ने कहा, "उजियाला हो," तो उजियाला हो गया।
4 और परमेश्वर ने उजियाले को देखा कि अच्छा है; और परमेश्वर ने उजियाले को अन्धियारे से अलग किया।
5 और परमेश्वर ने उजियाले को दिन और अन्धियारे को रात कहा। तथा साँझ हुई फिर भोर हुआ। इस प्रकार पहला दिन हो गया।
6 फिर परमेश्वर ने कहा, "जल के बीच एक ऐसा अन्तर हो कि जल दो भाग हो जाए।"

1:1 भज 102:25; ...

आकाश के अन्तर में ज्योतियाँ हों; और वे चिन्हों, और नियत समयों और दिनों और वर्षों के कारण हों,
15 और वे ज्योतियाँ आकाश के अन्तर में पृथ्वी पर प्रकाश देनेवाली भी ठहरें," और वैसा ही हो गया।
16 तब परमेश्वर ने दो बड़ी ज्योतियाँ बनाईं; उन में से बड़ी ज्योति को दिन पर प्रभुता करने के लिये और छोटी ज्योति को रात पर प्रभुता करने के लिये बनाया; और तारागण को भी बनाया।
17 परमेश्वर ने उनको आकाश के अन्तर में इसलिये रखा कि वे पृथ्वी पर प्रकाश दें,
18 तथा दिन और रात पर प्रभुता करें, और उजियाले को अन्धियारे से अलग करें : और परमेश्वर ने देखा कि अच्छा है।

प्र 1 सर्वप्रथम पहले संगत वचन भजन 102:25 को देखें। कुछ शब्दों पर ध्यान दें जो भजन 102:25 और उत्पत्ति 1:1 दोनों में पाये जाते हैं। ____________________

____

प्र 2 मध्य कॉलम में 1:1 के नीचे कितने संगत वचन लिखे गये हैं?

____

प्र 3 आयतों के अनेकों विकल्प में से एक को चुनकर बतायें कि यह आयत उत्पत्ति 1:1 से किस प्रकार मेल खाती है। ____________________

____

प्र 4 बताएं कि उत्पत्ति 1:4 तथा 1:8 के लिए मध्य कॉलम में कितने अतिरिक्त वैकल्पिक वचन दिये गये हैं। ____________________

____

ढूँढ़ें >> बहुत से बाइबल के संगत वचन कॉलम में न आने के कारण उन्हें आप कॉलम के दायें ओर अतिरिक्त वचनों के खण्ड में पा सकते हैं।

समानार्थ व समान अनुच्छेद

आयतों की एक और प्रणाली आपकी सहायता करती है, वह है समानार्थ अनुच्छेद प्रणाली। जब दो या अधिक बाइबल के अनुच्छेद एक ही अर्थ प्रकट करने वाले या एक ही घटना को अलग-अलग स्थानों में प्रगट करते तो यह 'समानार्थ' ठीक उस अनुभागीय खण्ड के शीर्षक के साथ लिख दिया जाता है। उसके समानार्थ या लगभग समान अर्थ वाले अनुच्छेदों को ''PP'' अर्थात (समानार्थ अनुच्छेद) द्वारा दर्शाया गया है। उसी तरह के अनुच्छेद जिनका अर्थ समान नहीं है उन्हें ''Ref'' करके दर्शाया गया है।

ढूँढ़ें >> क्या आप तस्वीर में समानार्थ उल्लेखों को खोज सकते हैं?

मत्ती की पुस्तक अध्याय 1 का शीर्षक: यीशु की वंशावली, बताता है। ठीक इस शीर्षक के नीचे तीन जोड़े समानार्थ अनुच्छेद दिये गये हैं। जिस तरह से किसी रेलगाड़ी की पटरियाँ समानान्तर रूप में एक साथ चलती हैं ठीक उसी प्रकार समानार्थ अनुच्छेद भी एक साथ चलते हैं- दोनों एक ही विषय पर बातें करते हैं। मत्ती 1:1 में समानार्थ अनुच्छेद के शीर्षक की पहली पंक्ति को देखें।

यह पंक्ति कहती है 1:1–17 PP–लूका 3:23–28। यह आपको संकेत देता है कि मत्ती 1:1–17 लूका 3:23–28 के समानार्थ है। लूका 3:23–28 को देखें, आप पायेंगे कि मत्ती 1:1–17 के अनुसार यहाँ भी यीशु मसीह की वंशावली लिखी हुई है।

ढूँढ़ें >> मत्ती 1:1 के शीर्षक के नीचे लिखी दूसरी पंक्ति को देखें।

प्र 5 मत्ती 1:3–6 का समानार्थ अनुच्छेद क्या है?

____

प्र 6 पुराने नियम में लिखित समानार्थ अनुच्छेद को पढ़ें। दोनों अनुच्छेद किस बात का वर्णन करते हैं?

____

समानार्थ अनुच्छेद से हटकर समान अनुच्छेद, आपस में समान घटना या बिल्कुल एक जैसा अर्थ नहीं प्रगट करते। फिर भी अनुच्छेद दूसरे पर कुछ न कुछ प्रकाश डालता है। इस सिलसिले में आप बजाय PP के Ref लिखा हुआ पायेंगे।

ढूँढ़ें >> अपनी बाइबल को मत्ती 25:14 की ओर खोलें।

तोड़ों के दृष्टांत शीर्षक के नीचे देखें। ध्यान दें वहाँ लिखा है 25:14–30 Ref — लूका 19:12–27। शब्द Ref, reference अर्थात हवाले का छोटा रूप है। जब आप अपनी बाइबल को लूका 19:12–27 की ओर पलटेंगे तो पता चलेगा कि वहाँ पर भी मत्ती 25:14 के समान तोड़े का दृष्टान्त है। यद्यपि दोनों दृष्टान्त बहुत फरक हैं परन्तु फिर भी दोनों, तीन सच्चाईयों को व्यक्त करते हैं।

प्र 7 दोनों दृष्टान्तों में व्यक्त सच्चाईयों को लिखें: ______________________________

____

____

बाइबल के आकर्षक तथ्य

- बाइबल का अधिकतर भाग इब्री भाषा में तथा कुछ भाग अरामी भाषा में लिखा गया।
- नया नियम मूल रूप से कोईनी यूनानी भाषा में लिखा गया था।
- सर्वप्रथम बाइबल लैटिन भाषा में 1450 में नई आविष्कार हुई गटनबर्ग प्रिंटिंग प्रेम में छपी थी।
- सर्वप्रथम इंगलिश बाइबल 1535 में छपी थी।
- सन 2007 तक बाइबल 429 भाषाओं में अनुवाद की जा चुकी है जबकि बाइबल के अनेकों हिस्से 2426 भाषाओं में अनुवाद हो चुके हैं।
- संसार भर के इतिहास में बाइबल किसी भी पुस्तक की तुलना में सर्वाधिक छापी गयी पुस्तक है।

4 कुंजी आयतों की व्याख्या

आपकी बाइबल के प्रत्येक पृष्ठ के निचले भाग में आप कुँजी वचन का व्याख्यान पाएंगे। यह नोट्स आत्मा से पूर्ण दृष्टिकोण के तहत लिखे गये हैं। ये शब्दों व वाक्यों के अर्थ को प्रगट करते हैं। ये बाइबल के सिद्धान्तों व सच्चाईयों को परिभाषित व उसकी व्याख्या करते हैं। यह नोट्स विश्वास, आज्ञापालन, प्रार्थना, और अनुग्रह द्वारा परमेश्वर के साथ सम्बन्ध विकसित करने की महत्वता पर ज़ोर डालते हैं।

यह नोट्स परमेश्वर के साथ मसीहियों के रोजमर्रा के जीवन हेतू लाभदायक जानकारियाँ उपलब्ध कराते हैं। इसमें जीवन सम्बन्धी जानकारियाँ जैसे ईश्वरीय सन्तानों की परवरिश करना, चिन्ताओं पर विजय प्राप्त करना, और परीक्षा का कैसे सामना करें इत्यादि शामिल हैं।

ढूँढ़ें >> अपनी बाइबल का प्रथम पेज निकालें (उत्पत्ति अध्याय एक)। क्या आप पृष्ठ के निचले हिस्से में व्याख्यान या स्टडी नोट्स को देखते हैं?

ढूँढ़ें >> पृष्ठ 5 के निचले भाग में व्याख्या को देखें। उन नोट्स पर आधारित कुछ प्रश्नों के उत्तर दें।

प्र 1 उत्पत्ति **1:5** के लिए व्याख्या को पढ़ें। 'दिन' के लिए इब्रानी शब्द क्या है?

____

____

प्र 2 उत्पत्ति **1:7** के लिए नोट्स को पढ़ें। 'अन्तर' किस बात को प्रगट करता है?

____

प्र 3 उत्पत्ति **1:10** के नोट्स को पढ़ें। सृष्टि की रचना के पाँचवे दिन परमेश्वर ने क्या रचा?

____

प्र 4 उसी नोट्स में ध्यान दें कि परमेश्वर ने सृष्टि की रचना के छठे दिन क्या रचा?

____

आपको महसूस होगा कि यह नोट्स आपकी व्यक्तिगत बाइबल अध्ययन के लिए एक अद्भुत उत्साह व मार्गदर्शन का स्रोत है। इन नोट्स के अन्दर पर्याप्त सामग्री है, जिसके द्वारा आप दूसरों को शिक्षा देने हेतू अध्याय तैयार कर सकते हैं। **विषय सूची** के अन्दर, जो आपकी बाइबल के अन्त में पेज संख्या 1385 से प्रारम्भ होती है, बताती है कि जिन विषयों पर व्याख्या द्वारा चर्चा की जा रही है वह बाइबल में कहाँ उपलब्ध हैं।

विषय सूची

अगुवे, कलीसिया

अन्याय

अन्यजाति

5 मुख्य शीर्षकों पर लेख

आपकी अग्निमय बाइबल के भीतर विभिन्न प्रकार के लेखों का संगृह है जो 77 शीर्षकों का विस्तृत व्याख्यान करता है। यह लेख अधिकतर बाइबल के उस पाठ्य सामग्री (अनुच्छेद) के पास लिखा होता है जो अनुच्छेद लेख के मूल विषय से मेल खाता हो। प्रत्येक लेख सोने की खान के समान है जो उस विशेष विषय पर जानकारियों का खजाना उपलब्ध कराता है। आप इस 77 विषयों की सूची को अपनी बाइबल के प्रारम्भ में प्राप्त विषय सूची के ठीक बाद में पा सकते हैं। **विषय सूची: लेख** वाला पृष्ठ केवल आपको शीर्षक या विषय की ही जानकारी नहीं देता बल्कि पृष्ठ संख्या भी बताता है जहाँ आप इन विषयों को बाइबल में देख सकते हैं।

विषय-सूची : लेख

सृष्टि	6	शैतान व दुष्टात्माओं पर अधिकार	983
अब्राहम की बुलाहट	19	झूठे शिक्षक	998
अब्राहम इसहाक व याकूब के साथ परमेश्वर की वाचा	34	विश्वासियों के चिन्ह	1004
परमेश्वर का प्रावधान	58	नए नियम में दाखरस (I)	1020
फसह	77	यीशु व पवित्रात्मा	1028
पुराने नियम की व्यवस्था	87	धन सम्पत्ति व दरिद्रता	1039
प्रायश्चित का दिन	128	नए नियम में दाखरस (II)	1058
पुराने नियम में दाखरस	150	नया जन्म	1060
प्रभु का भय	190	शिष्यों का नया जन्म	1087
इस्राएलियों के साथ परमेश्वर की वाचा	211	पवित्र आत्मा का बपतिस्मा	1100
कनानियों का नाश	225	अन्यभाषा में बोलना	1102
स्वर्गदूत (I) और प्रभु का स्वर्गदूत	246	पवित्रात्मा का सिद्धान्त	1108
मूर्तिपूजा का स्वरूप	284	आत्मा में बपतिस्मे की परख	1117

इन जानकारियों के अन्तर्गत सम्पूर्ण बाइबल से प्राप्त सभी विषयों सम्बन्धित गहन खोज करे गये बहुमुखी वचनों को शामिल किया गया है। किसी खास विषय पर अपने ज्ञान को विकसित करने के लिए आप इन जानकारियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपकी संदेश व अध्याय तैयार करने तथा व्यक्तिगत अध्ययन करने में सहायता करेंगे।

ढूँढ़ें >> अपनी बाइबल का सर्वप्रथम लेख देखें। यह लेख सृष्टि के बारे में बताता है।

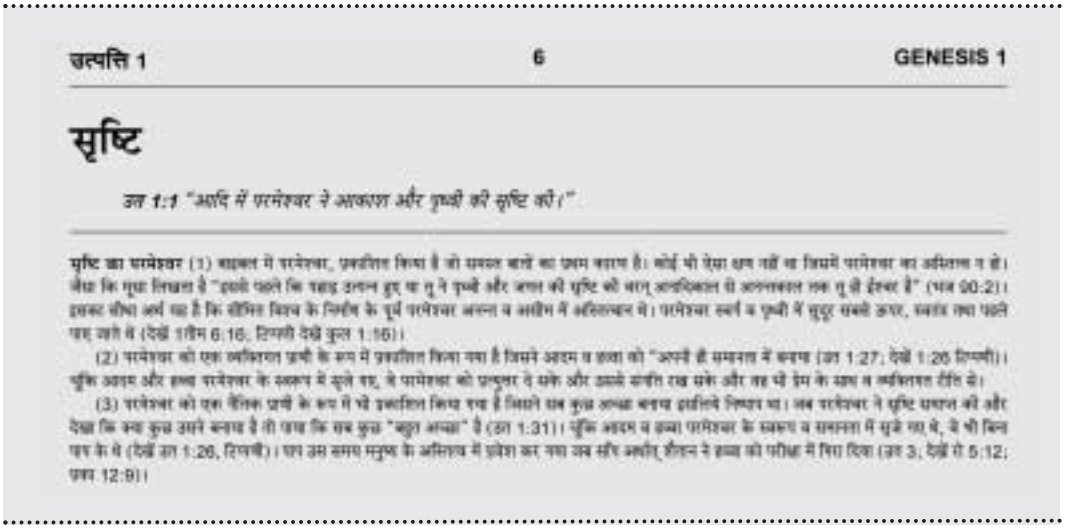

उत्पत्ति 1 | 6 | GENESIS 1

सृष्टि

उत 1:1 "आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की।"

सृष्टि का परमेश्वर (1) बाइबल में परमेश्वर, प्रकाशित किया है जो समस्त बातों का प्रथम कारण है। कोई भी ऐसा क्षण नहीं था जिसमें परमेश्वर का अस्तित्व न हो। जैसा कि मूसा लिखता है "इससे पहले कि पहाड़ उत्पन्न हुए या तू ने पृथ्वी और जगत की सृष्टि की वरन् अनादिकाल से अनन्तकाल तक तू ही ईश्वर है" (भज 90:2)। इसका सीधा अर्थ यह है कि सीमित विश्व के निर्माण के पूर्व परमेश्वर अनन्त व असीम में अस्तित्वमान थे। परमेश्वर स्वर्ग व पृथ्वी में सुदूर सबसे ऊपर, स्वतंत्र तथा पहले पाए जाते थे (देखें 1तीम 6:16; टिप्पणी देखें कुल 1:16)।

(2) परमेश्वर को एक व्यक्तिगत प्राणी के रूप में प्रकाशित किया गया है जिसने आदम व हव्वा को "अपनी ही समानता में बनाया (उत 1:27; देखें 1:26 टिप्पणी)। चूंकि आदम और हव्वा परमेश्वर के स्वरूप में सृजे गए, वे परमेश्वर को प्रत्युत्तर दे सके और उससे संगति रख सके और वह भी प्रेम के साथ व व्यक्तिगत रीति से।

(3) परमेश्वर को एक नैतिक प्राणी के रूप में भी प्रकाशित किया गया है जिसने सब कुछ अच्छा बनाया इसलिये निष्पाप था। जब परमेश्वर ने सृष्टि समाप्त की और देखा कि क्या कुछ उसने बनाया है तो पाया कि सब कुछ "बहुत अच्छा" है (उत 1:31)। चूंकि आदम व हव्वा परमेश्वर के स्वरूप व समानता में सृजे गए थे, वे भी बिना पाप के थे (देखें उत 1:26, टिप्पणी)। पाप उस समय मनुष्य के अस्तित्व में प्रवेश कर गया जब सर्प अर्थात् शैतान ने हव्वा को परीक्षा में गिरा दिया (उत 3; देखें रो 5:12; प्रका 12:9)।

प्र 1 आप इस बात को पहचान पायेंगे कि यह प्रथम लेख चार भागों में बाँटा गया है। इन चार भागों के नाम लिखें।

____

____

____

प्र 2 लेख के प्रथम भाग में दूसरे अनुच्छेद (2) को ढूँढ़ें। निम्नलिखित वाक्य को वहाँ ढूँढ़ें और इस वाक्य को पूरा करें: ''क्योंकि आदम और हव्वा परमेश्वर के स्वरूप में बनाये गये थे, वे ...''

____

विषय सूची जो आपकी बाइबल के पिछले हिस्से में पेज संख्या 2043 में शुरु होती है बताती है कि कहाँ पर आप उन विभिन्न विषयों को प्राप्त कर सकते हैं जिसकी चर्चा लेख व व्याख्या में की गयी है।

6 प्रसंग खोजी

अपनी अग्रिमय बाइबल के अनेकों पृष्ठों पर आप बहुत से चिन्हों को पृष्ठ के किनारों पर खड़ी रेखा के साथ कुछ तस्वीरों द्वारा छोटे दृष्टान्त को समझाते हुए देखेंगे। इसमें से प्रत्येक चिन्ह, पवित्र आत्मा की परिपूर्णता में जीवन बिताने के एक महत्वपूर्ण व खास विषय को प्रस्तुत करता है। प्रत्येक रेखा के नीचे बाइबल का कुछ खण्ड लिखा होगा जो आपको ठीक उसी विषय पर बाइबल के अगले पठन कार्यक्रम तक पहुँचा देगा। यह प्रसंग खोजी के चिन्ह व उनके अर्थ हैं:

प्रसंगखोजी

इस बाइबल के अनेक पन्नों पर बारह चिह्न दिए गए हैं। पिन्तेकुस्तल रीति के प्रत्येक उद्देश्य को यह चिह्न दर्शाते हैं।

- बपतिस्मा में/पवित्रात्मा से भर जाना (निर्गमन 31:1-6 में आरम्भ)
- पवित्रात्मा का वरदान (निर्गमन 35:30-35 में आरम्भ)
- पवित्रात्मा का फल (उत्पत्ति 50:19-21 में आरम्भ)
- चंगाई (उत्पत्ति 20:17-18 में आरम्भ)
- विश्वास जो पहाड़ को हिला दे (उत्पत्ति 15:3-6 में आरम्भ)
- गवाही देना (निर्गमन 10:1-2 में आरम्भ)
- उद्धार (उत्पत्ति 12:1-3 में आरम्भ)
- दूसरा आगमन (भजन संहिता 98:8-9 में आरम्भ)
- शैतान और दुष्टात्मा पर विजय (उत्पत्ति 3:15 में आरम्भ)
- संसार और सांसारिकता पर विजय (उत्पत्ति 19:15-26 में आरम्भ)
- स्तुति (निर्गमन 15:1-21 में आरम्भ)
- धार्मिकता और आज्ञाकारिता में चलना (उत्पत्ति 5:22 में आरम्भ)

प्रत्येक चिह्न, साथ दी गई आयतों के उद्देश्य को दर्शाते हैं। बाइबल के वचन के साथ लम्बरूप रेखा खींची हुई है जिसके अंत में आयतों को निर्देशित किया गया है जो उस चिह्न के विषय में अधिक जानकारी देती है।

ढूँढ़ें >> उत्पत्ति अध्याय 3 आयत 15 ढूँढें (उत्पत्ति 3:15)। यह पहला स्थान है जहाँ पर आपकी बाइबल में प्रसंग का इस्तेमाल किया गया है। प्रंसग खोजी चिन्ह को देखें तथा निम्न प्रश्नों के जवाब दें।

2 स्त्री ने सर्प से कहा, "इस वाटिका के वृक्षों के फल हम खा सकते
है;
3 पर जो वृक्ष वाटिका के बीच में है, उसके फल के विषय में
परमेश्वर ने कहा है कि न तो तुम उसको खाना और न उसको छूना,
नहीं तो मर जाओगे।"
4 तब सर्प ने स्त्री से कहा, "तुम निश्चय न मरोगे।
5 वरन् परमेश्वर आप जानता है कि जिस दिन तुम उसका फल
खाओगे उसी दिन तुम्हारी आँखें खुल जायेंगी, और तुम भले बुरे का
ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।"
6 अतः जब स्त्री ने देखा कि उस वृक्ष का फल खाने के लिए
अच्छा, और देखने में मनभाऊ, और बुद्धि देने के लिये चाहनेयोग्य भी
है; तब उसने उसमें से तोड़कर खाया, और अपने पति को भी दिया,
और उसने भी खाया।
7 तब उन दोनों की आँखें खुल गईं, और उनको मालूम हुआ कि वे
नंगे हैं; इसलिए उन्होंने अंजीर के पत्ते जोड़ जोड़ कर लंगोट बना लिये।
8 तब यहोवा परमेश्वर, जो दिन के ठंडे समय वाटिका में फिरता था,
का शब्द उनको सुनाई दिया। तब आदम और उसकी पत्नी वाटिका के

11 उसने कहा, "किसने तुझे बताया कि तू नंगा है? जिस वृक्ष का
फल खाने को मैं ने तुझे मना किया था, क्या तू ने उसका फल खाया
है?"
12 आदम ने कहा, "जिस स्त्री को तू ने मेरे संग रहने को दिया है
उसी ने उस वृक्ष का फल मुझे दिया, और मैं ने खाया।"
13 तब यहोवा परमेश्वर ने स्त्री से कहा, "तू ने यह क्या किया है?"
स्त्री ने कहा, "सर्प ने मुझे बहका दिया, तब मैं ने खाया।"
14 तब यहोवा परमेश्वर ने सर्प से कहा, "तू ने जो यह किया है
इसलिये तू सब घरेलू पशुओं, और सब जंगली पशुओं से अधिक शापित
है; तू पेट के बल चला करेगा, और जीवन भर मिट्टी चाटता रहेगा ;
15 और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, और तेरे वंश और इसके
वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूँगा; वह तेरे सिर को कुचलेगा, और
तू उसकी एड़ी को डसेगा।"

प्र 1 उत्पत्ति 3:15 के बराबर में दिये गये चिन्ह का मतलब क्या है?

_____

प्र 2 सीधी रेखा उस प्रसंग में कितनी आयतों को शामिल होता हुआ दिखाती है?

_____

प्र 3 सीधी रेखा के अन्त में लिखी गयी आयत आपको बताती है कि बाइबल में यह प्रसंग और कहाँ लिखा हुआ है। वह हवाला या आयत क्या है?

_____

पांच फासले

हमारे और जिन्होंने पवित्र शास्त्र को लिखा था उनके बीच बहुत से फासले हैं। यह फासले हमारे लिए बाइबल को समझने में कड़ी चुनौती खड़ी करते हैं, परन्तु अध्ययन बाइबल की खास विशेषताएं हमें इन फासलों को दूर करने में सहायता करते हैं।

समय का फासला: नये नियम की किसी भी पुस्तक के लिखे जाने और हमारे बीच 2000 वर्षों के लम्बे समय का फासला है। और पुराना नियम तो 3,400 वर्षों पूर्व लिखा गया था।

संस्कृति का फासला: जो लोग बाइबल के समय में रहते थे उनका रहन-सहन, संस्कृति, परम्पराएं रीतियाँ और व्यवहार हमसे कहीं अलग थे। वे मन्दिरों और अराधनालयों में आराधना करते थे, वह एक दूसरे का अभिवादन पवित्र चुम्बन से करते थे, और जानवरों का बलिदान चढ़ाते थे।

भाषा में अन्तर: बाइबल कालीन लोग इब्रानी, अरामी या यूनानी भाषा बोला करते थे- अर्थात बाइबल इन भाषाओं में लिखी गयी थी। समय के गुजरते-गुजरते भाषाएं बदल जाती हैं। नये-नये शब्दों का उदय होता है और पुराने शब्द दफन हो जाते हैं।

ऐतिहासिक फासला: बाइबल की प्रत्येक पुस्तक इतिहास के एक विशेष काल में लिखी गयी है। उदाहरण: परमेश्वर के वचन का कुछ हिस्सा गुलामों, योद्धाओं, स्वामियों तथा कैदियों के बारे में लिखा है। परमेश्वर ने अपना वचन यहूदियों और यूनानियों पर व्यक्त किया। अत: बाइबल सही मायनों में समझने के लिए हमें शताब्दियों का अध्ययन करना ज़रूरी है।

भौगोलिक फासला: बाइबल की प्रत्येक आयत की पृष्ठभूमि किसी न किसी स्थान से जुड़ी हुई है। जिससे हमें बाइबल के, शहरों, नदियों, पर्वतों, इलाकों तथा देशों के बारे में सीखने का अवसर प्राप्त हो जाता है।

7 प्रसंगखोजी अनुक्रमणिका

प्रसंगखोजी चिन्ह आपकी बाइबल में 12 कुंजी विषयों को दर्शाते हैं। आप इन चिन्हों को अपनी बाइबल में अलग-अलग स्थान पर देख सकते हैं। प्रत्येक चिन्ह हमें उसके खास विषय की ओर आकृषित करता है। लेकिन कुछ स्थानों पर आप एक विषय को लेकर अनेक अनुच्छेदों का अध्ययन करना चाहेंगे। उदाहरण के लिए शायद आप 'पवित्र आत्मा से परिपूर्ण' के लिए बाइबल के सारे सम्बन्धित वचनों व अनुच्छेदों को पढ़ना चाहेंगे। आप इस विषय से सम्बन्धित सारे अनुच्छेदों को धीरे-धीरे निर्गमन 31:1 के बराबर में अंकित कबूतर की तस्वीर का अनुसरण करने से प्राप्त कर सकते हैं। कबूतर के नीचे आप गिनती 27:18 को पायेंगे, जो 'पवित्र आत्मा से परिपूर्ण' होने से सम्बन्धित अगला अनुच्छेद है। और जब आप गिनती 27:18 के बराबर में अंकित कबूतर को प्राप्त कर लेते हैं तो उसके नीचे आप एक और आयत लिखी हुई देखेंगे जो आपको अगले कबूतर की ओर अगुवाई करेगी, और इस तरह सिलसिला आगे बढ़ता जायेगा।

परन्तु एक ही विषय पर सारी आयतों को ढूँढ़ने के लिए इससे भी सहज तरीका प्रसंगखोजी-अनुग्रमणिका का इस्तेमाल करना है, जो कि आपकी बाइबल के पिछले हिस्से में पृष्ठ संख्या 1399 में दी गयी है।

ढूँढ़ें >> बाइबल के पिछले हिस्से में लिखी प्रसंगखोजी अनुक्रमणिका को खोजें। और अब इन प्रश्नों के उत्तर दें।

प्र 1 ''पवित्र आत्मा के वरदान'' विषय के लिए कॉलम में से प्रथम व अन्तिम वचन को लिखें।

_____

_____

प्र 2 न्यायियों की पुस्तक में कितनी बार ''पवित्र आत्मा में बपतिस्मा'' विषय प्रगट होता है ?

_____

प्र 3 ''दूसरे आगमन'' विषय पर कितनी बार वर्णन किया गया है ?

_____

प्र 4 ''दूसरे आगमन'' विषय को लेकर प्रकाशित वाक्य की पुस्तक में व्यक्त पाँच हवालों को लिखें।

_____

_____

_____

_____

प्र 5 ''आज्ञाकारिता और धार्मिकता में चलना'' विषय के सम्पूर्ण वचनों को खोजें। इस सूची में लिखी गयी प्रथम आयत को लिखें।

_____

_____

_____

_____

8 मानचित्र व चार्ट

आपकी अग्निमय बाइबल में दिये गये मानचित्र व चार्ट, आपको बाइबल समझने में सहायतार्थ महत्वपूर्ण औज़ार है। मानचित्र, बाइबल में बताये गये स्थानों को ढूँढ़ने में आपकी सहायता करते हैं। इस बाइबल में आपके लिए दो प्रकार के मानचित्र दिये गये हैं। (1) काले व श्वेत मानचित्र (2) रंगीन मानचित्र। अपनी बाइबल में मानचित्र व चार्ट को ढूँढ़ने के लिए अपनी बाइबल की विषय सूची के नज़दीक **सूची: मानचित्र व चार्ट** को देखें:

सूची : मानचित्र व चार्ट

जातियों की तालिका	16	नया बाबुल साम्राज्य	833
याकूब की यात्राएं	42	योना की पुस्तक	875
निर्गमन	80	मलाकी से यीशु तक	921
इब्रानी तिथि पत्र	92	यहूदी पंथ	946
मिलाप का तम्बू	97	परमेश्वर के राज्य के मुकाबले शैतान का राज्य	973
मिलाप के तम्बू का सामान	97	दिकापुलिस और यरदन के आगे के क्षेत्र	988
पुराने नियम के बलिदान	115	यीशु गलील में	1040
पुराने नियम के पर्व	135	दुखभोग सप्ताह	1044
कनान के मुख्य नैतिक चिन्ताएं	204	यीशु यहूदिया व सामरिया में	1073
कनान पर विजय	232	यीशु की सेवकाई	1089
सुलैमान का यरूशलेम	332	यीशु के दृष्टान्त	1092
सुलैमान का मन्दिर	337	यीशु के [illegible] के आश्चर्यकर्म	1093
मन्दिर का सामान	337	पिन्तेकुस्त पर वर्णित देश के लोग	1098
विभाजित राज्य	346	फिलिप्पुस व पतरस की मिशनरी यात्राएं	1118
एलिय्याह व एलीशा का जीवन	358	पौलुस की पहली मिशनरी यात्रा	1121

काले व श्वेत मानचित्र

मानचित्र में आप पायेंगे कि समुद्र व झील के किनारे पर बसे भूमिगत स्थानों के बिन्दुओं से बनी सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है। इस मानचित्र के बीचोंबीच बना बड़ा समुद्र भूमध्यसागर है। इस मानचित्र के मध्य में निचले स्थान पर लाल समुद्र का ऊपरी सिरा दो उंगलियों के समान नज़र आता है।

ढूँढ़ें >> अपनी बाइबल के सामने वाले पृष्ठ पर 'चार्ट व मानचित्र की सूची' में जातियों की तालिका नामक प्रथम मानचित्र की पृष्ठ संख्या को ढूँढ़ें। अपनी बाइबल में इस नक्शे की तरफ चलें। यह नक्शा आपको उत्पत्ति 10 समझने में सहायता करता है।

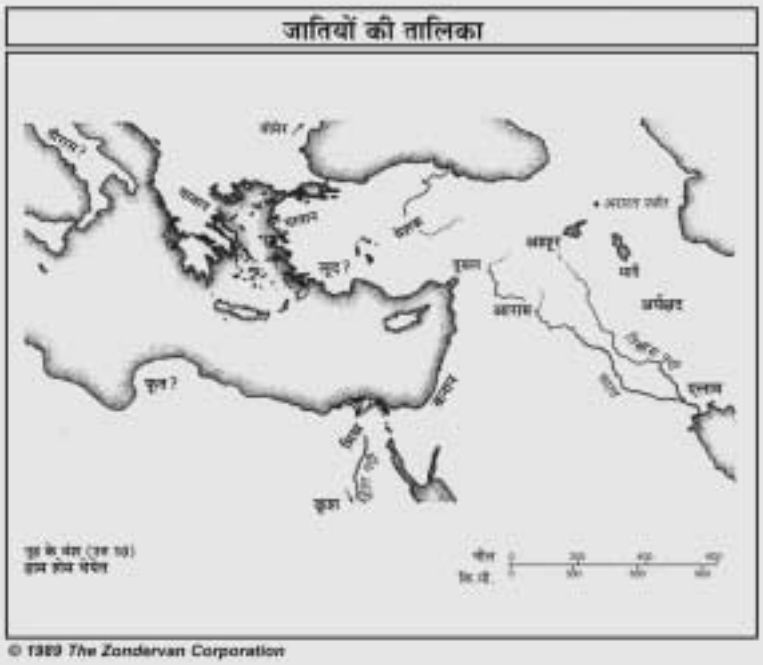

प्रत्येक नक्शे के निचले भाग में आप मानचित्र के पैमाने को पाएंगे। यह पैमाना मानचित्र में मील तथा किलोमीटर के हिसाब से दर्शाये गये स्थानों की दूरियों को समझने में सहायता करता है। जातियों की तालिका के पैमाने के अनुसार 1 सेन्टीमीटर 200 मील या 300 किमी के बराबर है। यदि आप अराम से अश्शूर की दूरी को नापें तो वह लगभग 1 सेन्टीमीटर के बराबर है। इसका अर्थ हुआ कि इन दोनों स्थानों के बीच की दूरी लगभग 200 मील या 300 किलोमीटर है।

ढूँढ़ें >> उत्पत्ति 10:22 पढ़ें। आप इस वचन को अपनी बाइबल में जातियों की तालिका में पायेंगे।

प्र 1 क्या आप इस आयत में शेम के पाँच पुत्रों के नाम ढूँढ़ सकते हैं? जिसमें पहला नाम एलाम है। पाँच नामों को नीचे लिखें।

_____

_____

अब इन्हीं पाँच नामों को जातियों की तालिका नामक नक्शे में ढूँढें। यह उन स्थानों को दर्शाते हैं जहाँ पर शेम के पुत्रों ने जीवन व्यतीत किया।

प्र 2 अराम से अश्शूर कितना दूर है।?

_____

_____

प्र 3 एलाम के नज़दीक दो नदियों के नाम क्या हैं?

_____

_____

रंगीन मानचित्र

विभिन्न प्रकार के काले व सफेद चित्रों के अलावा आपकी बाइबल में पीछे की ओर अनेकों रंगीन मानचित्र दिये गये हैं। आपकी बाइबल के पीछे इन रंगीन मानचित्रों के लिए चित्रों से पहले अनुक्रमणिका दी गयी है। रंगीन मानचित्र की इस अनुक्रमणिका में जगहों के नाम वर्णमाला के क्रमानुसार दिये गये हैं। आप इस अनुक्रमणिका का इस्तेमाल बाइबल में लिखी अनेकों जगहों (स्थानों) को ढूंढ़ने के लिए कर सकते हैं।

ढूँढ़ें >> अपनी बाइबल के पीछे बनी ''रंगीन चित्रों की अनुक्रमणिका'' को देखें।

रंगीन मान-चित्र सूची

ध्यान दें कि इस सूची में स्थानों के नाम वर्णमाला के शब्दों के क्रमानुसार लिखे गये हैं। अ अक्षर के नाम के पश्चात पहली संख्या उस मानचित्र की संख्या को प्रगट करता है जिसमें वह स्थान दर्शाया गया है। मानचित्र संख्या के पश्चात आप एक और अक्षर के साथ एक अंक को पायेंगे। ये अक्षर व अंक आपको बताते हैं कि मानचित्र में आप उस स्थान को कहाँ ढूँढ़ें। रंगीन मानचित्र से, उसकी सूची का इस्तेमाल करते हुए स्थानों को खोजने का अभ्यास करें। उदाहरण के लिए सूची में से अन्ताकिया शहर को ढूँढ़ें। अन्ताकिया नाम के बाद आप 13 अंक और उसके पीछे B2 लिखा हुआ देखेंगे। 13 संख्या आपको मानचित्र संख्या 13 की ओर संकेत करती है जबकि B2 बताता है कि अन्ताकिया मानचित्र में कहाँ बना है।

ढूँढ़ें >> रंगीन मानचित्र सूची के पश्चात कुछ ही पृष्ठ पलटने पर मानचित्र संख्या 13 को देखें।

मानचित्र 13

इस मानचित्र में आप ऊपरी स्थान पर अंकों तथा अक्षरों को चित्र के अलंगों पर लिखा हुआ पाएंगे। सबसे पहले 13 मानचित्र में संख्या 3 को ढूँढ़ें। और जब अलंग पर लिखे हुए अक्षर B को देखें। मानचित्र में वह स्थान जहाँ पर B और 3 आकर आपस में मिलते हैं वही स्थान अन्ताकिया है।

ढूँढ़ें >> निम्नलिखित चित्र में दर्शाये रेखांकन पर ध्यान दें। अपनी बाइबल के पिछले हिस्से में मानचित्र 13, जो प्रेरितों की प्रथम यात्रा है ढूँढें।

मानचित्र 13

चित्र ढूँढ़ने के पश्चात निम्नलिखित तीन बातों को लिखें:

- प्रान्त (जैसे सीरिया) बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं जबकि शहरों (जैसे अन्ताकिया) छोटे शब्दों में लिखे गये हैं।
- मानचित्र की अलंग पर आप अनेकों रंगों में खिंची रेखाएं देखेंगे। प्रत्येक रेखा की व्याख्या की गयी है।
- समुद्र तथा झील को हमेशा नीले रंग से दर्शाया गया है।

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देने के लिए प्रेरितों की पहली यात्रा के चित्र का इस्तेमाल करें।

प्र 4 रोमन साम्राज्य के मध्य में कौन सा महासागर बसा है?

_____

प्र 5 मानचित्र में बनी हरी रेखाओं का क्या अभिप्राय है?

_____

_____

प्र 6 मानचित्र में बनी नीली रेखाओं का क्या अभिप्राय है?

_____

_____

9 शब्दानुक्रमणिका तथा अन्य औज़ार

अन्त में हम उन अतिरिक्त सहायक अध्ययन के औज़ारों के बारे में बताना चाहते हैं जो आपकी बाइबल के पिछले हिस्से में अंकित है। जिनमें निम्न बातें शामिल है:

- **भार और तौल की तालिका, पेज 1383,** आपकी बाइबल के समय में भार व तौल के मापदण्डों से वर्तमान भार तौल के अनुसार वजन या नाप जानने में सहायता कर सकता है।

भार और तौल की तालिका

बाइबल के अनुसार/यूनिट		अमरीकी उपरोक्त (अनुमानत):		मीटरी (अनुमानत):	
तौड़, किक्कार	60 मीना	75	पाउण्ड	34	किलोग्राम
मीना	50 शेकेल	1 1/4	पाउण्ड	0.6	किलोग्राम

- **एक विषय सूची, पृष्ठ 1385,** पर अंकित है, आपकी यह ढूँढ़ने में सहायता करता है कि स्टडी नोट्स तथा लेखों द्वारा उस विषय पर कहाँ चर्चा की गयी है।

- **प्रसंग खोजी अनुक्रमणिका, पृष्ठ 1399,** आपको 12 विषयों के तहत आने वाले अनेकों अनुच्छेदों की ओर मार्गदर्शन करेगी। इस विषय पर हमने अध्याय सात में चर्चा की थी।

- **एक वर्ष में सम्पूर्ण बाइबल, पृष्ठ 1403,** यह एक बाइबल पठन योजना है जिससे आप वर्ष भर में सम्पूर्ण बाइबल पढ़ सकें।

शब्दानुक्रमणिका

सबसे अन्तिम अध्ययन सहायक जिसके बारे में हम चर्चा करेंगे वह शब्दानुक्रमणिका है जो पृष्ठ संख्या 1407 पर उपलब्ध है। शब्दानुक्रमणिका आपको कुँजी शब्दों को ढूँढ़ने में सहायता करती है। इसमें शब्दकोष के समान वर्णों के क्रमानुसार मुख्य शब्दों की सूची तैयार की गयी है। दूसरे पेज से लेकर अन्त तक हर पृष्ठ के ऊपरी हिस्से पर लिखे दो शब्द मार्गदर्शक के समान हैं। पृष्ठ पर अंकित बायें ओर वाला शब्द आपको पृष्ठ का प्रथम शब्द तथा दायां शब्द पृष्ठ का अन्तिम शब्द प्रगट करता है।

शब्दानुक्रमणिका

शब्दानुक्रमणिका में प्रत्येक कुँजी शब्द को गहरे व बड़े काले अक्षरों से लिखा गया है। उसके पश्चात उसमें बाइबल की आयतों का हवाला दिया गया है जिसमें वह कुँजी शब्द भी आता है।

ढूँढ़ें >> अपनी बाइबल को शब्दानुक्रमणिका के प्रथम पेज की ओर पलटें तथा निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

प्र 1 शब्दानुक्रमणिका सर्व प्रथम कौन सा शब्द दिया गया है?

_____

प्र 2 बाइबल से उन तीन आयतों को लिखें जिनमें हारून नाम का जिक्र दिया हो।

_____

_____

प्र 3 अब्राहम के प्रवेश को ढूँढ़ें। बाइबल में इस व्यक्ति का जिक्र सबसे पहले कहाँ हुआ? _____

प्र 4 अनुपस्थित शब्द बाइबल में कहाँ लिखा है ? उस आयत को लिखें जहाँ यह शब्द पाया जाता है।

_____

_____

_____

_____

सहायक निर्देश: जब आप किसी आयत के कुछ शब्दों को जानते हैं और आप उस आयत को ढूँढ़ना चाहते हैं तो आप उस आयत के सबसे कम सामान्य शब्द को शब्दानुक्रमणिका में ढूँढें। उदाहरण के लिए, मान लीजिये कि आप आयत '**यीशु रोया**' को ढूँढ़ना चाहते हैं। अपनी शब्दानुक्रमणिका में '**रोया**' शब्द को ढूँढ़ें क्योंकि यह शब्द '**यीशु**' से बहुत कम परिचित या सामान्य शब्द है। सैकड़ों ऐसी आयते हैं जिनमें यीशु शब्द का इस्तेमाल किया गया है। परन्तु कुछ ही ऐसी आयतें हैं जिनमें '**रोया**' शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

परिशिष्ट

A

उत्तरमाला

अध्याय 1

प्र1 मानवीय इतिहास का प्रारम्भ

प्र2 1:1–11:26

प्र3 यूसुफ का सारांश

प्र4 50:15–26

प्र5 मूसा

प्र6 आरम्भ

प्र7 1445–1405 ई.पू.

प्र8 मूल, स्रोत, सृष्टि या किसी बात की शुरुआत

प्र9 जगत की उत्पत्ति, मनुष्यजाति, विवाह, पाप, शहर, भाषाएं, देश, इस्राएल तथा छुटकारे का इतिहास

प्र10 दो

प्र11 पाँच

प्र12 सृष्टि, पतन, केन व हाबिल, भयंकर बाढ़ या बाबेल की मिनार

प्र13 अब्राहम, इसहाक, याकूब, यूसुफ

प्र14 सात

प्र15 (उत्तर के लिए बाइबल के 3 पेज को देखें)

प्र16 स्त्री का बीज, शेत का वंश, शेम का वंश, तथा अब्राहम के वंशज

प्र17 (चुनाव के लिए इब्रानियों 11:1–22 को देखें)

अध्याय 2

प्र1 प्रारम्भ

प्र2 उत्पत्ति 1:1

प्र3 आदम और हव्वा

प्र4 उत्पत्ति 2:4

अध्याय 3

प्र1 उदाहरण के लिए ''प्रारम्भ'', ''धरती'' और ''स्वर्ग''

प्र2 (बाइबल इस्तेमाल करने पर फर्क जवाब होंगे)

प्र3 (विद्यार्थियों की पसन्द)

प्र4 (बाइबल इस्तेमाल करने पर फर्क जवाब होंगे)

प्र5 तीन

प्र6 (विद्यार्थियों की पसन्द)

प्र7 विद्यार्थियों का अपना विवरण

प्र8 बना

प्र9 सब जन्तुओं और सारी धरती पर

प्र10 सारे जंगली जानवरों पर

प्र11 रुत 4:18-22

प्र12 दाऊद और मसीह के पुरखा, जिनमें रुत और बोआज भी शामिल हैं

प्र13 विश्वासयोग्यता, भरोसेमन्दी तथा वफादारी की महत्वता

अध्याय 4

प्र1 योम

प्र2 पृथ्वी के ऊपर जल तथा उसके ऊपर बादलों के बीच का वातावरण

प्र3 मछलियाँ व पक्षी

प्र4 जानवर व मनुष्य

अध्याय 5

प्र1 सृष्टि का परमेश्वर
सृष्टि की रचना करते समय परमेश्वर के कार्य
सृष्टि में परमेश्वर का उद्देश्य व लक्ष्य
सृष्टि तथा विकास

प्र2 ''यद्यपि यह सीमित था परन्तु फिर भी वह परमेश्वर को व्यक्तिगत तथा प्रेमपूर्वक प्रतिउत्तर दे सके।''

अध्याय 6

प्र1 शैतान और दुष्टात्माओं पर विजय

प्र2 एक

प्र3 निर्गमन 7:10-12

अध्याय 7

प्र1 निर्गमन 35:30-35 व 1 पतरस 4:10-11

प्र2 चार बार

प्र3 उन्चालीस नामदर्जीयां

प्र4 प्रकाशित वाक्य 1:7, 16:15, 19:11-16, 22:12, 22:20

प्र5 ''मतूशेलह के जन्म के पश्चात हनोक तीन सौ वर्ष तक परमेश्वर के साथ चलता रहा, और उसके और भी बेटे-बेटियाँ उत्पन्न हुईं।'' उत्पत्ति 5:22

अध्याय 8

प्र1 एलाम, अश्शूर, अर्पक्षद, लूद, अराम

प्र2 लगभग 250 मील

प्र3 तिगरिस व फरात नदी

प्र4 महासागर

प्र5 पौलुस की दूसरी मिश्नरी यात्रा

प्र6 पौलुस की रोम यात्रा

अध्याय 9

प्र1 हारुन

प्र2 यहो. 21:4, निर्गमन 4:4-16, व्यव. 9:20

प्र3 उत्पत्ति 11:26-27

प्र4 यद्यपि मैं शरीर के भाव से तुम से दूर हूँ, तौभी आत्मिक भाव से तुम्हारे निकट हूँ, और तुम्हारे व्यवस्थित जीवन को और तुम्हारे विश्वास की जो मसीह में है, दृढ़ता देखकर प्रसन्न होता हूँ। कुलुस्सियों 2:5

बधाई हो!! आपने '**किस तरह *अग्निमय बाइबल* का इस्तेमाल किया जाये**' पुस्तक को सफलतापूर्वक समाप्त कर लिया है। इस उपलब्धि को सम्मानित करने के लिए हमने एक प्रमाण पत्र का प्रयोजन किया है। हम आशा करते हैं कि जब आप यीशु मसीह के लिए सेवा करते हैं तो इस पुस्तक में प्राप्त जानकारियाँ आपके लिए मददगार होंगी।

समापन प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि _____

(नाम)

ने सफलतापूर्वक इस कार्यक्रम को सम्पन्न किया

***अग्निमय बाइबल* का अनुभव करना:**
एक तत्काल अध्ययन पुस्तिका

दिन _____दिनाँक _____200__